नईदुनिया

125 सीसी श्रेणी की बाइक्स की मांग में सबसे अधिक तेजी

नई दिल्ली

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनियां टीवीएस, बजाज और होंडा के लोकप्रिय माडलों ने पिछले वित्त वर्ष की तुलना में बेहतर वृद्धि दर्ज करते हुए वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत उपस्थिति कायम की है।

जारी किए गए बिक्री आंकड़ों के अनुसार, शीर्ष माडलों ने कुल निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि 125 सीसी श्रेणी की मोटरसाइकिलों की मांग में सबसे अधिक तेजी देखने को मिली। निर्यात के मामले में टीवीएस स्टार सिटी 125 पहले स्थान पर रही। इस मोटरसाइकिल की 7.20 लाख से अधिक इकाइयों का निर्यात हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 41 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि दर्शाता है। इसकी बेहतर ईंधन दक्षता, कम रखरखाव लागत और भरोसेमंद प्रदर्शन ने अफ्रीका तथा लैटिन अमेरिका जैसे बाजारों में इसे लोकप्रिय बनाया।

दूसरे स्थान पर बजाज बाक्सर 110 रही, जिसकी करीब 5.50 लाख इकाइयों का निर्यात किया गया। मजबूत निर्माण गुणवत्ता और खराब रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन के कारण यह माडल विकासशील देशों में खासा पसंद किया जा रहा है।

वहीं बजाज पल्सर 160-200 ने 2.36 लाख से अधिक इकाइयों के निर्यात के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। स्पोर्टी डिजाइन और दमदार इंजन ने इसे युवा ग्राहकों के बीच लोकप्रिय बनाए रखा। सबसे अधिक वृद्धि बजाज बाक्सर 125 में दर्ज की गई। इस माडल का निर्यात एक वर्ष में दोगुने से भी अधिक बढ़कर लगभग दो लाख इकाइयों तक पहुंच गया।

बेहतर शक्ति और टिकाऊपन इसकी सफलता के प्रमुख कारण रहे। टीवीएस स्टार सिटी 110 भी शीर्ष पांच में शामिल रही और इसकी करीब 1.97 लाख इकाइयों का निर्यात हुआ। शीर्ष पांच माडलों के अलावा बजाज सीटी 125, होंडा नवी, बजाज सीटी 110, यामाहा एफजेड और टीवीएस स्पोर्ट ने भी निर्यात बाजार में अच्छा प्रदर्शन किया। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक मांग में बढ़ोतरी, प्रतिस्पर्धी कीमतें और उत्पादन क्षमता में सुधार ने भारतीय दोपहिया वाहनों के निर्यात को नई ऊंचाई पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

न्यूज ब्रीफ

एनएलसी इंडिया में तीन फीसदी हिस्सेदारी बेच रही सरकार, फ्लोर प्राइस 303 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को अपनी नवरत्न कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड में आफर फार सेल (ओएफएस) के जरिए तीन फीसदी हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। इसके लिए प्रति शेयर 303 रुपये का फ्लोर प्राइस तय किया गया है। कंपनी के मुताबिक ये बिक्री पेशकश (ओएफएस) गैर-खुदरा निवेशकों के लिए खुल रही है, जबकि खुदरा निवेशकों के लिए यह बुधवार को उपलब्ध होगी। एनएलसी इंडिया के शेयर की बिक्री 303 रुपये प्रति शेयर के भाव पर की जाएगी। यह बाम्बे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) पर 335.65 रुपये प्रति शेयर के बंद भाव से 9.73 फीसदी कम है। निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणीश चावला ने एक्स पर जारी एक पोस्ट पर लिखा कि भारत सरकार एनएलसी इंडिया लिमिटिड में बिक्री पेशकश के माध्यम से मूल रूप से दो फीसदी हिस्सेदारी बेचने की घोषणा करती है। दीपम सचिव ने बताया कि अधिक बोली आने की स्थिति में एक फीसदी ग्रीन शू विकल्प यानी अपने पास रखने का भी विकल्प रखा है। चावला ने कहा कि मजबूत परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन, लगातार रिटर्न और आकर्षक लाभांश के साथ, एनएलसी दीर्घकालिक निवेश का एक आकर्षक अवसर प्रदान करती है। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचकर 12,166 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इनमें कोल इंडिया से 5,542 करोड़ रुपये, एनएचपीसी से 4,357 करोड़ रुपये और सेंट्रल बैंक आफ इंडिया से 2.27 करोड़ रुपये शामिल हैं।

पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं, दिल्ली में पेट्रोल 102.12 तो लखनऊ में 101.89 लीटर

नई दिल्ली। लगातार बढ़ोतरी के बाद भारतीय उपभोक्ताओं को मंगलवार 9 जून को कुछ राहत मिली है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता के चलते सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। प्रमुख महानगरों सहित देश के अधिकांश शहरों में ईंधन की कीमतें यथावत बनी हुई हैं। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहा। आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 111.21 रुपए और डीजल 97.83 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपए और डीजल 99.02 रुपए प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 107.77 रुपए और डीजल 99.55 रुपए प्रति लीटर पर बना हुआ है। यह स्थिरता ऐसे समय में आई है जब पिछले महीने 15 मई से 25 मई के बीच अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने के कारण देश में पेट्रोल और डीजल के रेट में चार बार बढ़ोतरी की गई थी। इस दौरान ईंधन की कीमतों में प्रति लीटर 7 रुपये से अधिक का इजाफा हुआ था, जिससे उपभोक्ताओं पर खासा बोझ पड़ा था। एनसीआर के नोएडा में पेट्रोल 102.12 और डीजल 97.56 प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 101.89 और डीजल 95.36 रुपए प्रति लीटर पर उपलब्ध है। चंडीगढ़ में पेट्रोल की कीमत 101.51 रुपए प्रति लीटर है, जबकि डीजल 89.47 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल 114.57 और डीजल 99.64 रुपए प्रति लीटर के भाव से मिल रहा है ।

महिंद्रा स्कार्पियो ने हासिल किया सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी का स्थान

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में महिंद्रा स्कार्पियो ने एक बार फिर अपनी मजबूत पकड़ साबित की है। बाजार में मिड-साइज एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है। मई 2026 के बिक्री आंकड़ों पर नजर डाले तो स्कार्पियो ने हुंडई क्रेटा को पीछे छोड़ते हुए इस श्रेणी में सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी का स्थान हासिल किया। मई महीने में स्कार्पियो की 15,774 इकाइयों की बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.5 प्रतिशत अधिक है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर हुंडई क्रेटा रही, जिसकी 15,235 इकाइयां बिकीं। क्रेटा की बिक्री में सालाना आधार पर 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं तीसरे स्थान पर मारुति सुजुकी विक्टोरिस रही, जिसने 10,853 इकाइयों की बिक्री की। महिंद्रा थार 10,787 इकाइयों की बिक्री के साथ चौथे स्थान पर रही और इसकी बिक्री में 3.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। किआ सेल्टोस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 74.2 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की और 10,597 इकाइयों की बिक्री के साथ पांचवां स्थान हासिल किया।

मारुति डिजायर सबसे ज्यादा बिकने वाली कार साबित

नई दिल्ली

बीते महीने मई 2026 में मारुति सुजुकी ने शानदार बिक्री प्रदर्शन करते हुए बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। मारुति सुजुकी की कुल बिक्री सालाना आधार पर 40 प्रतिशत बढ़कर 1,90,337 इकाइयों तक पहुंच गई, जबकि मई 2025 में यह आंकड़ा 1,35,962 इकाइयों का था। कंपनी की इस सफलता में डिजायर, फ्रान्क्स, अर्टिगा, बलेनो और एस-प्रेसो जैसे माडलों का अहम योगदान रहा। मई महीने में मारुति डिजायर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार साबित हुई। इसकी 24,546 इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक है।

दूसरे स्थान पर फ्रान्क्स रही, जिसकी बिक्री 52 प्रतिशत बढ़कर 20,686 इकाइयों तक पहुंच गई। वहीं अर्टिगा ने 20,350 इकाइयों की बिक्री के साथ 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कंपनी की लोकप्रिय हैचबैक बलेनो की बिक्री में 58 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इसकी 18,396 इकाइयां बिकीं। वैगनआर और स्विफ्ट की बिक्री में भी क्रमश: 30 और 24 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला। नई मिड-साइज एसयूवी विक्टोरिस ने भी 10,853 इकाइयों की बिक्री के साथ ग्राहकों के बीच अपनी मजबूत पकड़ बनाई। हालांकि, सबसे अधिक चर्चा एस-प्रेसो की रही, जिसने बिक्री वृद्धि के मामले में सभी माडलों को पीछे छोड़ दिया। मई 2025 में जहां इसकी केवल 1,806 इकाइयां बिकी थीं, वहीं मई 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 6,388 इकाइयों तक पहुंच गया। इस तरह इसकी बिक्री में रिकार्ड 254 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा आल्टो की बिक्री में भी 99 प्रतिशत का उल्लेखनीय उछाल देखने को मिला। दूसरी ओर, ब्रेजा और जिम्नी उन कुछ माडलों में शामिल रहीं जिनकी बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। ब्रेजा की बिक्री 14 प्रतिशत घटकर 13,425 इकाइयों पर आ गई, जबकि जिम्नी की बिक्री 24 प्रतिशत कम होकर 516 इकाइयों तक सिमट गई।

किआ सोनेट के कुछ वेरिएंट्स की कीमतों में 1700 रुपये तक का इजाफा

नई दिल्ली। कार निर्माता जापानी कंपनी हुंडई के बाद अब किआ इंडिया ने भी अपने वाहन पोर्टफोलियो की कीमतों में संशोधन शुरू कर दिया है। हुंडई ने अपनी काम्पैक्ट एसयूवी किआ सोनेट की कीमत में वृद्धि की घोषणा की है। सोनेट के कुछ वेरिएंट्स की कीमतों में अधिकतम 1,700 रुपये तक का इजाफा हुआ है। नई कीमतों के अनुसार, किआ सोनेट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत अब 7,33,500 रुपये हो गई है, जबकि पहले इसकी शुरुआती कीमत 7,31,900 रुपये थी। यानी बेस वेरिएंट की कीमत में करीब 0.22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। ऐसे में जो ग्राहक निकट भविष्य में इस एसयूवी को खरीदने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अब पहले की तुलना में अधिक कीमत चुकानी होगी। किआ सोनेट भारतीय बाजार में तीन इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध है। इसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 120 बीएचपी की शक्ति और 172 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता है। दूसरा विकल्प 1.2 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन का है, जो 83 बीएचपी की शक्ति और 115 न्यूटन मीटर का टार्क प्रदान करता है। वहीं, 1.5 लीटर डीजल इंजन 116 बीएचपी की शक्ति और 250 न्यूटन मीटर का टार्क जनरेट करता है। सुरक्षा के लिहाज से किआ सोनेट में छह एयरबैग, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम तथा 360 डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा, इसमें लेवल-1 एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम भी उपलब्ध है, जो ड्राइविंग को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाता है।

नए खिलाड़ियों की बहार से गुलजार भारतीय वाहन उद्योग

नई दिल्ली

2025-26 तक 37 फीसदी बढ़कर 480 हुई वाहन कंपनियों की संख्या

भारतीय वाहन उद्योग एक अभूतपूर्व परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है, जहां नए खिलाड़ियों की एक विशाल लहर देखी जा रही है। वियतनाम की विनफास्ट जैसी कंपनियों की तेजी से सफल यात्रा और वैश्विक दिग्गज टेस्ला की बढ़ती हलचल के बीच भारत का वाहन बाजार 2025-26 तक कंपनियों की संख्या में हैरतअंगेज 37 फीसदी की वृद्धि दर्ज करने को तैयार है, जो पिछले वित्त वर्ष के 350 से बढ़कर 480 तक पहुँच जाएगी। नीतिगत प्रोत्साहन, सुदृढ़ होते बुनियादी ढाँचे और पारंपरिक ईंधन की बढ़ती लागत इस उछाल के प्रमुख कारक हैं, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्रांति का स्पष्ट दबदबा है। एनवायरोकैटेलिस्ट्स द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार यह वृद्धि मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहन खंड से आ रही है। अकेले दोपहिया वाहन श्रेणी में ही 2025-26 के दौरान 27 नई कंपनियों ने भारतीय बाजार में प्रवेश किया, जिनमें से चौंकाने वाले 96 प्रतिशत (26 कंपनियां) इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र से थीं। इसी तरह ई-रिक्शा जैसी श्रेणियों में भी लगभग 104 नए खिलाड़ी सामने आए हैं। एनवायरोकैटेलिस्ट्स के एक विश्लेषक पुष्टि करते हैं कि नए प्रवेश करने वालों की अधिकांश संख्या ईवी में है, जिसका प्रमाण यह है कि दोपहिया वाहनों में केवल एक कंपनी (लैम्ब्रेटा) के पास ही पारंपरिक ईंधन इंजन वाला वाहन था। हालांकि, उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद ब्रांड प्रतिष्ठा अब भी सफलता का एक महत्वपूर्ण मानदंड बनी हुई है। उनके अनुसार विशेषकर बसों जैसे भारी वाहनों में संस्थागत खरीदार स्थापित नामों को प्राथमिकता देते हैं। इसके बावजूद कुछ नए खिलाड़ियों ने अपनी पहचान बनाई है। चार पहिया वाहनों में विनफास्ट, दोपहिया वाहनों में काइनेटिक वाट्स ऐंड वोल्ट्स, और माल ढुलाई में जेएम-बक्सी समूह के निवेश वाली एनर्जी इन मोशन जैसी कंपनियाँ पहले ही शीर्ष 10 में अपनी जगह बना चुकी हैं, जो बाजार में प्रवेश करने वाले सफल नवागंतुकों का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यह प्रवृत्ति भारत के आटोमोबाइल परिदृश्य को एक गतिशील और भविष्योन्मुखी दिशा में ले जा रही है।

एपल का आईओएस 27, एआई और स्पीड का बेजोड़ संगम

नई दिल्ली। एपल ने अपने सालाना वर्डवाइड डेवलपर कान्फ्रेंस (डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी) 2026 इवेंट में आईओएस 27 को आधिकारिक तौर पर पेश कर दिया है। यह नया आपरेटिंग सिस्टम आईफोन यूजर्स के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कई बड़े बदलाव और फीचर्स लेकर आया है, जो डिवाइस को पहले से कहीं ज्यादा तेज और स्मार्ट बनाएंगे। आईओएस 27 लिक्विड ग्लास डिजाइन में सुधार करता है, जिससे यूजर इंटरफेस की पारदर्शिता अपनी पसंद के अनुसार एडजस्ट की जा सकेगी। एपल का दावा है कि नए अपडेट के बाद ऐप्स 30 और फोटोज 70 फीसदी तेजी से खुलेंगे, जबकि एयरड्राप ट्रांसफर स्पीड में 80 फीसदी का सुधार हुआ है। इस अपडेट की सबसे बड़ी खासियत नया सिरी एआई है, जो अब एक अलग ऐप के रूप में आया है। यह सिरी अब एपल के फाउंडेशन माडल और गूगल जेमिनी एआई माडल के साथ मिलकर पहले से कहीं ज्यादा स्मार्ट और संवादात्मक बन गया है। एपल इंटेलिजेंस को सफारी (स्वचालित टैब व्यवस्थापन), फोटोज और वालेट जैसे ऐप्स में भी इंटीग्रेट किया गया है। फोन और मेल ऐप्स के बीच बेहतर तालमेल भी देखने को मिलेगा, जिससे बिजनेस काल पर संबंधित जानकारी स्क्रीन पर दिखेगी और स्मार्ट सुझाव मिलेंगे।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के सर्राफा बाजार में सोना 950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह चांदी भी पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गई।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,830 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,53,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव घटने की खबर की वजह से ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के कारोबार के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशिया के बाजार मजबूती के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। अमेरिकी स्टाक मार्केट पिछले सत्र के दौरान शार्ट कवरिंग के बीच चिप मेकर्स की बढ़त के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 80.77 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,786.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,405.73 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 220.23 अंक यानी 0.86 प्रतिशत उछल कर 25,929.66 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 50,821.45 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोप के बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 10,373.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,199.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 142.83 अंक यानी 0.58 प्रतिशत टूट कर 24,616.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता हैंग सेंग इंडेक्स फिलहाल 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,600 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 84 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,257.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,979.68 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। यह सूचकांक फिलहाल 432.34 अंक यानी 5.46 प्रतिशत उछल कर 7,916.75 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,191.06 अंक यानी 2.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 44,693.84 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 110 अंक यानी 2.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,452.14 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 1,165.40 अंक यानी 1.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 65,190 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.98 प्रतिशत उछल कर 5,012.75 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स से 0.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,576.17 के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।